



रीमा की चूत में मोनू भाई का लंड-1

“मेरी मम्मी की सहेली का बेटा मेरे घर आया। मैंने उसे अपने साथ डबलबेड पर सुला लिया। बीच रात में पति की चुदाई याद आई तो मैं चुदासी हो उठी। ...”

Story By: Antarvasna अन्तर्वासना (antarvasna)

Posted: Monday, October 10th, 2016

Categories: [पड़ोसी](#)

Online version: [रीमा की चूत में मोनू भाई का लंड-1](#)

रीमा की चूत में मोनू भाई का लंड-1

फोन की घंटी बज रही थी।

‘रीमा देख तो किसका फोन है?’ मेरी सास की आवाज़ आई।

मैंने फोन उठाया, फोन कामिनी मौसी का था।

‘नमस्ते मौसी..’

‘कैसी हो रीमा?’

‘मैं ठीक हूँ मौसी.. आप कैसी हैं? आज कई दिनों बाद फोन किया?’

‘हाँ.. कई दिनों से कुछ कामों में उलझी हुई थी। अच्छा सुन, मोनू का मुंबई में कल पीएमटी का टेस्ट है। आज वो यहाँ से निकल रहा है, शाम तक तेरे पास पहुँच जाएगा। वो पहली बार मुंबई जा रहा है.. उसका ध्यान रखना।’

‘यह भी कोई कहने की बात है.. आप बेफ़िक्र रहें.. मैं देख लूँगी।’

कामिनी मौसी मेरी मम्मी की बचपन की सहेली हैं। इत्तफ़ाक से दोनों की ससुराल एक ही शहर में है और घर बिल्कुल पास-पास हैं। दोनों में बहुत पक्की दोस्ती है। मुझे वो अपनी बेटी की तरह प्यार करती हैं।

मोनू उन्हीं का बेटा है, मेरे से करीब सात साल छोटा है।

मैं गणित में काफ़ी होशियार हूँ। मोनू अक्सर मुझसे गणित के सवाल पूछता रहता था।

मोनू गणित में इतना अच्छा नहीं था। जब वो मैट्रिक में था.. तब मेरे पास ही अक्सर गणित के सवाल हल करने के लिए आता रहता था, कई बार तो हमारे घर पर ही सो जाता

था।

अब मेरी शादी हो गई और मैं मुंबई आ गई। मेरे पति बहुत अच्छे व्यक्ति हैं। मेरे सास-ससुर ने कभी यह महसूस नहीं होने दिया कि मैं उनकी बहू हूँ.. बल्कि मुझे अपनी बेटी की तरह ही रखते हैं।

मेरे पति मर्चेन्ट नेवी में हैं। हमारे घर में पैसों की कोई कमी नहीं है। हमने मुंबई में दो बेडरूम का एक फ्लैट खरीद लिया है।

शाम को मोनू आ गया.. पहले की तरह अब भी वो दुबला-पतला ही था। हाँ मूछें अच्छी-खासी आ गई थीं। उससे मिलकर बहुत खुशी हुई। मेरे सास-ससुर भी बहुत खुश हुए। हाथ-मुँह धो कर वो पढ़ने बैठ गया, क्योंकि सुबह उसका एग्जाम था। इसलिए मैं भी उससे कुछ ज्यादा बात नहीं कर रही थी।

रात को खाना खाने के बाद मैंने उससे कहा- पढ़ने के बाद सोने के लिए मेरे कमरे में आ जाना।

खैर.. मैं तो दस बजे अपने दो साल के बेटे को ले कर सो गई। सुबह मेरी आँख खुली तो मैंने देखा कि मोनू सोफे पर सो रहा है।

मैंने उसे जगाना उचित नहीं समझा, पता नहीं रात को कब सोया था। उसके उठने के बाद मैंने उससे कहा- तुम सोफे पर क्यों सो रहे थे.. मेरा बिस्तर इतना बड़ा है.. उस पर क्यों नहीं सोया ? तू पहले भी तो मेरे साथ ही सो जाता था।

मोनू बोला- रीमा दीदी तब मैं बच्चा था। मुझे हँसी आ गई।

मैंने कहा- अच्छा.. अब तू जवान हो गया है।

मोनू शर्मा गया।

मैंने कहा- अच्छा ठीक है.. नहा-धो ले और नाश्ता कर ले। फिर मैं तुझे तेरे एग्जॅमिनेशन सेंटर तक छोड़ आती हूँ।

मैंने अपनी कार निकाली और पौने दस बजे मोनू को उसके सेंटर पर छोड़ दिया और उसे घर आने का रास्ता समझा दिया।

एग्जाम खत्म होने के बाद मोनू बहुत खुश था, उसे पूरी उम्मीद थी कि वो पास हो जाएगा।

रात को उसने कहा- रीमा दीदी मैं सुबह चला जाऊँगा।

मैंने कहा- बिल्कुल नहीं, तू तीन साल बाद मिला है, अब दो-चार दिन रुक कर ही जाना।

मेरी सास ने भी कहा- तू रुक जा बेटा.. तेरी रीमा दीदी का भी मन लगा रहेगा।

मैंने कामिनी मौसी को फोन किया- मोनू चार दिन बाद आएगा।

उन्होंने कहा- ठीक है बेटा।

रात को हम सबने होटल में खाना खाया और घूम फिर कर दस बजे घर पहुँचे.. मेरा बेटा भी मोनू से बहुत घुल-मिल गया था।

ग्यारह बजे हम सभी सोने की तैयारी करने लगे।

मोनू फिर सोफे पर सोने लगा.. मैंने उसे डांट कर कहा- आज तू मेरे डबलबेड पर ही सोएगा।

मेरा बिस्तर फुल साइज़ का डबलबेड है। बेडरूम के साथ ही अटैच्ड बाथरूम है।

मैं फ्रेश होकर बिस्तर पर लेट गई। मोनू भी फ्रेश हो लिया और टी-शर्ट बरमूडा पहन कर लेट गया। हम दोनों के बीच में मेरा बेटा सो गया।

काफ़ी देर तक हम लोग बातें करते रहे।

मोनू को नींद आने लगी और वो 'गुडनाइट' कह कर सो गया।

चाँद की रोशनी खिड़की में से आ रही थी, इसलिए कमरे में काफ़ी उजाला था। मुझे नींद नहीं आ रही थी.. मुझे 'उनकी' बहुत याद आ रही थी। फोन पर तो हम हर रोज बात करते हैं.. लेकिन उन्हें मिले नौ महीने हो गए थे।

मैंने देखा कि मोनू करवट ले कर गहरी नींद में सो रहा है।

मेरे पति ने एक दिन कहा था कि रीमा मैं शुरू से ही चाहता था कि मेरी वाइफ की चूचियाँ छोटी हों लेकिन चूतड़ बड़े-बड़े हों.. इसलिए मैंने तुम्हें देखते ही पसंद कर लिया था।

मैं सत्ताईस साल की एक खूबसूरत औरत हूँ। मेरा कद पाँच फुट चार इंच है। शरीर का साइज़ 32-28-38 है। मेरे पति जब भी तीन-चार महीने के लिए आते हैं तो हम दोनों जम कर सेक्स का आनन्द लेते हैं।

मेरे बेडरूम में ड्रेसिंग टेबल रखा हुआ है। कई बार उसमें देखते हुए हम दोनों सेक्स करते हैं। सेक्स के मामले में मैं बहुत लकी हूँ।

ये सब सोचते-सोचते मैं बहुत गर्म हो गई, मेरी पैन्टी भीग गई।

मोनू एकदम बेसुध होकर सो रहा था।

मैंने अपने बेटे को साइड में किया और मोनू की बगल में लेट गई। मैं धीरे-धीरे उसके बालों में उंगलियों से कंघी करने लगी। मोनू तो बेखबर होकर सो रहा था। मैंने उसके कानों पर धीरे से किस किया और धीरे-धीरे जीभ को उसके कानों के पीछे फिराने लगी।

मैं बिल्कुल उसकी पीठ पर चिपक गई और एक हाथ उसकी टी-शर्ट के नीचे से डाल कर उसकी छाती पर फिराने लगी। उसकी छाती पर बाल उग आए थे। मैं अपने एक हाथ को उसकी छाती पर फिराती रही और कान और गर्दन के पीछे जीभ फेरती रही।

मोनू चुपचाप सो रहा था.. उसकी कोई हरकत ना देख कर मैं रुक गई।
अचानक मोनू बोल पड़ा- प्लीज़ रीमा दीदी रूकिए मत.. बहुत मज़ा आ रहा है।
मैंने कहा- अच्छा तो तू जाग रहा था।
मोनू बोला- हाँ.. मैं तो बेसुध हो गया था। प्लीज़ आप वैसी ही करती रहें।

मैंने उसे सीधा किया और फिर से उसकी छाती पर हाथ फिराने लगी। अचानक मेरी नज़र उसके बरमूडे पर गई। मैंने चाँद की रोशनी में देखा कि मोनू के बरमूडे में काफी उभार आ गया था।

मुझे लगा शायद वो ठीक कह रहा था कि वो अब बच्चा नहीं रहा। मैं धीरे-धीरे छाती से नीचे हाथ ले जाते हुए उसके बरमूडे के ऊपर ले गई। मुझे एकदम से ज़ोर का करेंट सा लगा।

मैंने मोनू के कान में कहा- तू तो सचमुच बहुत बड़ा हो गया है। मैं तो तुझे बच्चा ही समझ रही थी।

मोनू कुछ नहीं बोला। मैं धीरे-धीरे अपना हाथ उसके बरमूडे के अन्दर ले गई।
ओ माय गॉड.. मोनू का लंड बहुत मोटा और लम्बा था।
मैंने अंदाज़ा लगाया कि शायद यह किसी मोटी गाजर के नाप का था। मेरे 'उनके' लंड से लगभग आधा इंच ज्यादा लम्बा था।

मोनू का लंड मोटा तो इतना था कि मेरी मुट्ठी में बड़ी मुश्किल से आ पा रहा था।
बड़ी मुश्किल से मेरे हाथ की उंगलियां और अंगूठा मिल पा रहे थे। मेरे पति के लंड से ये करीब दोगुना मोटा था।

मैंने मोनू के कान में बिल्कुल धीरे से कहा- मोनू तेरा लंड तो बहुत बड़ा है।

मोनू मेरे मुँह से लंड शब्द सुन कर और उत्तेजित हो गया और शरमा गया। उसके इस भोलेपन और अकड़ते लंड को देख कर मैं बहुत गर्म हो गई।

मैंने धीरे से उसके कान में पूछा- मोनू कभी तूने किसी लड़की को चोदा है ?
वो एकदम से शर्मा गया और धीरे से बोला- मैं तो पढ़ाई में इतना बिज़ी रहता हूँ कि कभी इस तरफ़ ख्याल ही नहीं जाता।

मैंने कहा- अच्छा तू मुठ मारता है ?

‘हाँ..’ मोनू शर्मा कर बोला।

मैं हँस कर बोली- पगले.. इतना क्यों शर्मा रहा है.. तेरी उम्र में तो सब लड़के मुठ मारते हैं।
कई तो असली चुदाई भी कर लेते हैं।

मोनू की शर्म धीरे-धीरे दूर हो रही थी।

मैं अपना मुँह उसके कान के पास ले गई और बिल्कुल धीरे से पूछा- मुझे चोदेगा ?

मोनू का चेहरा लाल हो गया और कुछ नहीं बोला।

मैंने फिर से उसके कान में धीमे स्वर में पूछा- बोल न.. क्या मुझे चोदेगा ?

मोनू बहुत धीरे से बोला- मुझे तो कुछ आता ही नहीं।

मैंने कहा- कोई बात नहीं.. मैं सिखा दूँगी, तू बता.. चोदेगा मुझे ?

वो बोला- जैसी आपकी मर्ज़ी।

मैंने उसकी टी-शर्ट उतार दी। उसका शरीर दुबला-पतला था।

मुझे बहुत उत्सुकता हो रही थी कि इतने दुबले-पतले लड़के का लंड इतना बड़ा कैसे हो सकता है।

मैं उसके होंठों पर किस करने लगी। फिर मैंने उसके निप्पल पर किस किया।

अब मैं धीरे-धीरे उसके बरमूडे तक पहुँच गई और उसका बरमूडा उतार दिया।

उसका लंड उछल कर बाहर आ गया।

मेरी आँखें हैरानी से चौड़ी हो गईं।

आह्ह.. इतना बड़ा लंड..!

मैं तो सोच भी नहीं सकती थी। मोनू का लंड बहुत टाइट था, उसके टट्टे लंड के साथ चिपके पड़े थे। उसके सुपारे पर चमड़ी चढ़ी हुई थी। मैंने अपने होंठ गोल करके उसके लंड की टिप पर किस किया, मोनू 'आह्ह..' बोल पड़ा।

मैंने पूछा- क्या हुआ ?

वो बोला- आपके नरम-नरम होंठ बहुत अच्छे हैं।

फिर मैंने उसका लंड हाथ में पकड़ लिया।

उसका लंड कांप रहा था.. मैंने धीरे से उसके लंड के सुपारे की चमड़ी खींच कर हटा दी..

मोनू चिहुंक पड़ा।

जैसे ही उसके लंड की खुशबू मेरे नाक में गई, मैं मदहोश हो गई।

कितने दिन बाद लंड की खुशबू सूँधी थी।

उसका सुपारा एकदम चमक रहा था और बहुत बड़ा था।

मोनू का सुपारा मेरे पति के सुपारे से कहीं ज्यादा बड़ा था।

मैंने अपनी जीभ सुपारे पर फिरानी शुरू की।

मोनू ने मेरे सर के बाल पकड़ लिए और बुदबुदाने लगा- ओह आह्ह..

थोड़ी देर तक ही मैं उसके लौड़े पर जीभ फिराती रही।

फिर अचानक से मैंने अपना मुँह पूरा खोला और सुपारा मुँह में ले लिया ।
मोनू ज़ोर से 'आह आह..' बोल पड़ा ।

मोनू का सुपारा बहुत बड़ा था । मेरा पूरा मुँह भर गया ।
मैंने अपने होंठों से उसके पूरे सुपारे को मुँह में जकड़ लिया और मुँह के अन्दर सुपारे पर
जीभ फिरने लगी ।

मोनू बहुत गर्म हो गया और वो काँपती हुई आवाज़ में बोला- ओह रीमा दीदी.. आप
कितनी अच्छी हैं.. आह ओह ह अहह..

मोनू ज़ोर-ज़ोर से 'आह आह..' करने लगा ।

मैंने एकदम से मुँह में से लंड निकाला और फुसफुसाते हुए कहा- मोनू आवाज़ धीरे कर..
सब सो रहे हैं.. जाग जाएंगे ।

फ्रेंड्स आज मुझे पक्के में मजा मिलने वाला है आप लोग कहीं मत जाइएगा.. बस कल
मिलती हूँ आपसे और पूरी चुदाई का किस्सा बताती हूँ ।

आपके कमेंट्स के इन्तजार में आपकी रीमा ।

Other stories you may be interested in

मम्मीजी आने वाली हैं-5

स्वाति भाभी अब कुछ देर तो ऐसे ही अपनी चूत से मेरे लण्ड पर प्रेमरस की बारिश सी करती रही फिर धीरे धीरे उसके हाथ पैरों की पकड़ ढीली हो गयी। अपने सारे काम ज्वार को मेरे लण्ड पर उगलने [...]

[Full Story >>>](#)

मम्मीजी आने वाली हैं-4

भाभी ने मुझे अपनी चूत पर से तो हटा दिया मगर मुझे अपने से दूर हटाने का या खुद मुझसे दूर होने का प्रयास बिल्कुल भी नहीं किया। उसकी निगाहे शायद अब मेरे लोवर में तम्बू पर थी इसलिये मैंने [...]

[Full Story >>>](#)

चिकनी चाची और उनकी दो बहनों की चुदाई-10

दोस्तो, मैं आपका साथी ज़ीशान, आपके सामने फिर से आ गया हूँ. चुदाई की कहानी के ये दो आखिरी भाग हैं, अभी 10वें भाग का मजा लीजिएगा. ये दो भाग आपको हमेशा के लिए याद रहेंगे. इस सेक्स कहानी का [...]

[Full Story >>>](#)

छोटा सा हादसा और आंटी की चुदाई

खड़े लौड़ों को और गीली चूतों को मेरा यानि स्वप्निल का प्रणाम. मैं महाराष्ट्र से हूँ और मेरी उम्र अभी 24 साल है. सब लोग अपनी अपनी सच्ची कहानी लिखते हैं तो मैंने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी [...]

[Full Story >>>](#)

दो प्यासे मर्दों ने चूत गांड चोद दी-2

अभी तक की मेरी इस चुदाई की कहानी के पहले भाग दो प्यासे मर्दों ने चूत गांड चोद दी-1 में आपने जाना था कि बाँस मुझे सुबह से से चोदने लगे थे. सामने दरवाजा खुला था, जिससे कोई भी अन्दर [...]

[Full Story >>>](#)

